Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. भूकंप और ज्वालामुखी से महासागरीय धरातल और महासागरीय जल में अचानक विस्थापन के फलस्वरुप उत्पन्न होती है-

(अ) भूस्खलन (ब) जल तरंगें

(स) दरारें (द) सुनामी

2. मांजुली द्वीप किस नदी में स्थित है?

(अ) सिंधु नदी (ब) यमुना नदी

(स) गंगा नदी (द) ब्रह्मपुत्र नदी

3. समुद्र तटीय क्षेत्रों में चक्रवात 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से टकराते हैं और समुद्र तल असाधारण रूप से ऊपर उठ जाता है इसे क्या कहते है?

(अ) तूफान महोर्मि (ब) चक्रवात

(स) वैज (द) सुनामी

4. भारत को भूकंप के आधार पर कितने क्षेत्रों में विभाजित किया गया है?

(अ) सात क्षेत्रों में (ब) पाँच क्षेत्रों में

(स) दस क्षेत्रों में (द) आठ क्षेत्रों में

5. इनमें से कौन-सा क्षेत्र अत्यधिक भूकंपीय खतरे वाले क्षेत्र नहीं हैं?

(अ) कच्छ का रण (ब) हिमालय पर्वत

(स) पूर्वी तटवर्ती क्षेत्र (द) उत्तरी-पूर्वी भारत

6. इनमें से कौन-सा क्षेत्र बाढ़ प्रवण क्षेत्र नहीं है?

(अ) महाराष्ट्र में गोदावरी द्रोणी (ब) असम में ब्रह्मपुत्र की द्रोणी

(स) बिहार में गंगा की दोणी (द) बंगाल में गंगा की दोणी

7. निम्न में से कौन सी वायुमंडलीय आपदा नहीं है?

(अ) पाला (ब) भूकंप

(स) करकापात (द) सूखा

8. टिड्डी का प्रकोप किस प्रकार की प्राकृतिक आपदा है?

(अ) जलीय (ब) जैविक

(स) वायूमंडलीय (द) भौमिक

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. सबसे अधिक भूस्खलन किन क्षेत्रों में होता है?

(अ) समुद्र तटवर्ती भागों (ब) पठारी भागों

(स) पर्वतीय भागों (द) मरुस्थलीय भागों

10. भारत में प्रतिवर्ष किस प्राकृतिक आपदा द्वारा सर्वाधिक हानि होती है?

(अ) भूकंप से (ब) चक्रवात से

(स) सूखा से (द) बाढ़ से

रिक्त स्थान

11. भूकंप मापन के लिए _____ पैमाना प्रयोग किया जाता है।

12. सुनामी शब्द की उत्पत्ति _____ भाषा से हुई है।

सत्य/असत्य

13. भारत में सबसे अधिक हानिकारक प्राकृतिक आपदा भूकंप है।

14. भूकंप की घटनाएँ विशेष रूप से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में अधिक होती हैं।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. संकट किस दशा में आपदा बन जाता है?

16. आपदाएँ और संकट में अंतर स्पष्ट करें?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. चक्रवात की क्षति को कम करने के उपाय बताएँ।

18. उन दो मानवीय कारकों के नाम बताइए, जिनके कारण भारत में बाढ़ के प्रकोप में वृद्धि हुई है।

निबंधात्मक प्रश्न

19. सुभेद्यता क्या है? सूखे के आधार पर भारत को प्राकृतिक आपदा भेद्यता क्षेत्रों में विभाजित करें और इसके निवारण के उपाय बताएँ।

20. भारत के दस बाढ़ संभावित क्षेत्र को भारत के रेखा-मानचित्र में दर्शाएँ।

HOTS

21. तटबंधों के दोष या बुरे प्रभाव कौन-कौन से हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. (द)

भूकंप और ज्वालामुखी से महासागरीय धरातल और महासागरीय जल में अचानक हलचल पैदा होती है जिन्हें सुनामी कहा जाता है।

2. (द)

मांजुली द्वीप असम में ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित है। यह विश्व का सबसे बड़ा नदीय द्वीप भी है।

3. (अ)

समुद्र तल के असाधारण रूप से ऊपर उठने को तूफान महोर्मि कहते है।

4. (ब)

भूकंपन संबंधी आंकड़ों तथा विभिन्न भूवैज्ञानिक एवं भूभौतिक मापदंडों के आधार पर भारत को 5 भूकंपीय क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। पांचों क्षेत्रों में पांचवां क्षेत्र सर्वाधिक सक्रिय तथा पहला क्षेत्र न्यूनतम भूकंपीय सक्रियता दर्शाता है।

5. (स)

पूर्वी तटवर्ती क्षेत्र अत्यधिक भूकंपीय खतरे वाले क्षेत्र नहीं हैं। प्रायद्वीपीय क्षेत्र को कम भूकंप की आशंका वाला क्षेत्र माना गया है।

6. (अ)

महाराष्ट्र में गोदावरी द्रोणी क्षेत्र बाढ़ प्रवण क्षेत्र नहीं है। गोदावरी दक्षिण भारत की एक प्रमुख नदी है। यह नदी दूसरी प्रायद्वीपीय नदियों में से सबसे बड़ी नदी है। इसे दक्षिण गंगा भी कहा जाता है।

7. (ब)

भूकंप एक भौमिक आपदा है अन्य विकल्प वायुमंडलीय आपदा है।

8. (ब)

टिड्डी का प्रकोप एक जैविक प्राकृतिक आपदा है।

9. (स)

सबसे अधिक भूस्खलन पर्वतीय भागों क्षेत्रों में होता है। जब पर्वतीय भागों में चट्टानों तथा मिट्टी आदि गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण नीचे ढाल की ओर नीचे सरकती है तो उसे भू-स्खलन कहा जाता है।

10. (द)

भारत में बाढ़ द्वारा प्रतिवर्ष सर्वाधिक हानि होती है।

11. रिक्टर

12. जापानी

13. असत्य

14. सत्य

15. जिस अवस्था में संकट के समय जन-धन के नुकसान की संभावना बढ़ जाती है तो यह संकट आपदा बन जाता है। यह मानव व प्राकृतिक दोनों अवस्थाओं में होता है। जैसे किसी क्षेत्र में अगर बाढ़ आती है और बाढ़ के कारण फसलें नष्ट हो जाती हैं तो यह बाढ़ संकट के स्थान पर आपदा के रूप में नजर आती है।

16. आपदाएँ और संकट में निम्नलिखित अंतर है :-

- **आपदा-** आपदा एक प्राकृतिक या मानव निर्मित जोखिम का प्रभाव है जो समाज या पर्यावरण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। आपदा शब्द ज्योतिष विज्ञान से आया है इसका अर्थ होता है, कि जब तारे बुरी स्थिति में होते हैं तब बुरी घटनाएँ होती हैं।
- **संकट-** संकट का अर्थ मुश्किल अथवा कष्टभरा समय है। उदाहरण:- पेयजल संकट से आठ गांव परेशान।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

17. भयंकर चक्रवातीय तूफान विश्व के अनेक उष्ण कटबंधीय क्षेत्रों में आते रहते है। जिनसे लाखों लोगों की जाने जाती है और अपार संपत्ति का नुकसान होता है। हज़ारों लोग बेकार हो जाते हैं। अधिकतर चक्रवातीय क्षति तेज पवनों, मूसलाधार वर्षा और समुद्र में उठने वाली ऊँची तूफानी ज्वारीय लहरों के द्वारा होती है। पवनों की तुलना में चक्रवातीय वर्षा के कारण आई बाढ़ अधिक विनाशकारी होती है। आज चक्रवातों की चेतावनी व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार होने से तथा पर्याप्त और सामयिक कार्यवाही से चक्रवात से मरने वालों की संख्या में कमी आई है। अन्य उपाय जैसे चक्रवातों के आने के पूर्व सुरक्षा के लिए आश्रय स्थलों का निर्माण तटबंधों, बाँधों, जलाशयों के निर्माण और तट पर वनरोपण से भी बहुत सहायता मिलती है। फसलों और पशुओं के बीमे से भी लोगों को क्षति-पूर्ति में काफी मदद मिलती है। उपग्रहों से प्राप्त चित्रों के द्वारा चक्रवात के पथ के बारे में चेतावनी देना अब संभव हो गया है। कंप्यूटर द्वारा बनाए गए मॉडलों की सहायता से चक्रवात के पवनों की दिशा और तीव्रता तथा इसके पथ की दिशा की काफी हद तक सही भविष्यवाणी की जा सकती है। इन तूफानों को रोकना मनुष्य के बस की बात नहीं है। केवल इनके प्रभावों को कम करने के लिए उपाय किये जाते है तथा जो कुछ भी होता है तूफान आने के बाद ही होता है। अगर समय रहते तूफान की सूचना उपलब्ध हो जाती है तो लोगों को वहां से तुरंत हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर जान माल की क्षति को रोका तो नहीं जा सकता है बल्कि उसे कम किया जा सकता है।

18. बाढ़ों में वृद्धि के मानवीय कारक वन विनाश, अपवाह में अवरोध (पुलों, सड़कों, रेलमार्गों तथा विकास कार्यक्रमों की गलत योजनाओं से उत्पन्न) रिसाव में कमी (बहुत अधिक भूमि पर उद्योगों की स्थापना तथा बड़े पैमाने पर गंदगी) और नदियों पर तटबंधों का निर्माण है। पंजाब एवं हरियाणा के सघन कृषि क्षेत्र कु-अपवाह के कारण आसानी से बाढ़ प्रवण हो जाते हैं। झूम कृषि जैसी अवैज्ञानिक खेती के परिणामस्वरूप भी वनस्पति आवरण का क्षय होता है, जिसका परिणाम पुनः मृदा अपक्षय के रूप में सामने आता है। उत्तर-पूर्वी भारत में इस प्रकार के मृदाक्षय के कारण ही ब्रह्मपुत्र नदी बाढ़ का मुख्य स्रोत बन गयी है।

19. प्राकृतिक संकटों या प्राकृतिक आपदाओं के माध्यम से आसानी से प्रभावित करने की क्षमता को सुभेद्यता कहा जाता है। तकनीकी विकास से मनुष्य ने प्राकृतिक संकट या आपदा के खतरे वाले क्षेत्रों में भी अपनी गहन गतिविधियाँ शुरू कर दी हैं, जिसने प्राकृतिक संकटों या आपदाओं की सुभेद्यता को बढ़ाया है।

सूखे की तीव्रता के आधार पर भारत को निम्नलिखित आपदा भेद्यता क्षेत्रों में बाँटा गया है-

i. **अधिक सूखा प्रभावित क्षेत्र-** इसमें राजस्थान के पूर्वी भाग, कर्नाटक का पठार, तमिलनाडु के उत्तरी भाग, झारखंड का दक्षिणी भाग, मध्य प्रदेश के ज्यादातर भाग. महाराष्ट्र के पूर्वी भाग, आंध्र प्रदेश के अंदरूनी भाग, और ओडिशा का आतरिक भाग शामिल है।

ii. **अत्यधिक सूखा प्रभावित क्षेत्र-** राजस्थान में ज़्यादातर भाग, विशेषकर अरावली के पश्चिम में स्थित मरुस्थलीय भाग और गुजरात का कच्छ क्षेत्र अत्यधिक सूखा प्रभावित है। इसमें राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर जिले भी शामिल हैं, जहाँ 90 मिलीलीटर से कम औसत वार्षिक वर्षा होती है।

iii. **मध्यम सूखा प्रभावित क्षेत्र-** गुजरात के बचे हुए जिले, कोंकण को छोड़कर महाराष्ट्र, झारखंड, राजस्थान के उत्तरी भाग, हरियाणा, उत्तर प्रदेश के दक्षिणी जिले, तमिलनाडु में कोयम्बटूर पठार और आंतरिक कर्नाटक शामिल है। भारत के बचे हुए भाग बहुत कम या न के बराबर सूखे से प्रभावित हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

सूखा निवारण के उपाय- सूखे से राहत के लिए युद्ध स्तर पर योजनाएँ बनानी चाहिए। भूजल के भंडारों की खोज के लिए सुदूर संवेदन, उपग्रह मानचित्रण तथा भौगोलिक सूचना तंत्र जैसी विविध युक्तियों का उपयोग किया जाना चाहिए। लोगों के सक्रिय सहयोग से वर्षा के जल संग्रहण के समन्वित कार्यक्रम भी उपयोगी रहते हैं। अधिशेष से कमी वाले क्षेत्रों के लिए नदी जल का अंतद्रोणी स्थानांतरण भी एक हद तक जल संकट को कम कर सकता है। कुछ अन्य उपाय हो सकते हैं। जल संग्रह के लिए छोटे बाँधों का निर्माण, औरन रोपण तथा सूखारोधी फसलें उगाने, महाराष्ट्र की 'पानी पंचायत' व हरियाणा में 'सुखो माजरी' प्रयोग सूखे का मुकाबला के लिए लोगों द्वारा किए गए सुविख्यात प्रयत्न हैं।

20.

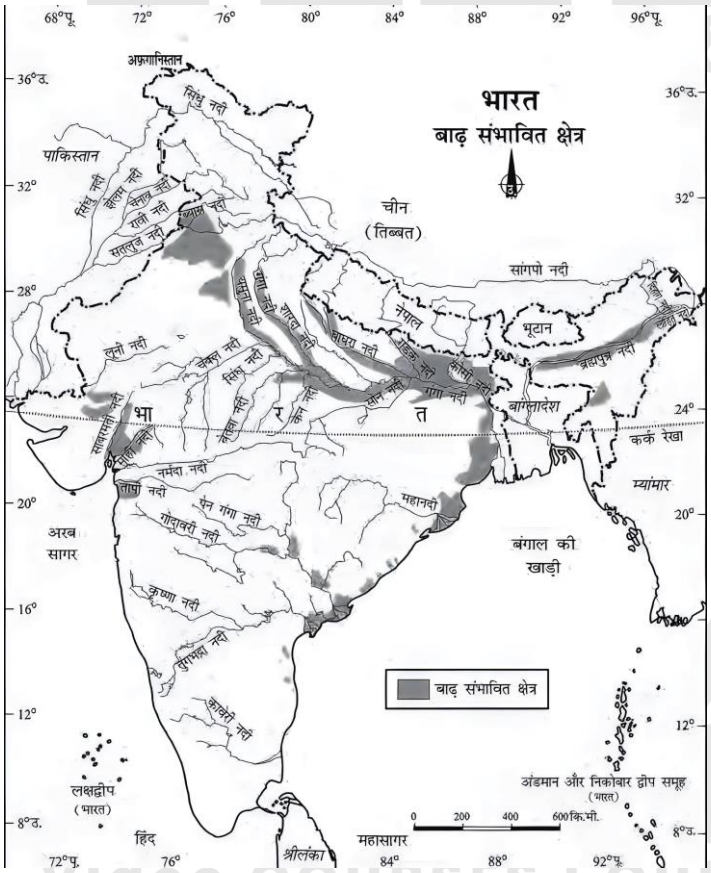

21. तटबंधों के दोष या बुरे प्रभाव निम्नलिखित है :-

i. प्रवाह मार्ग में कमी से बाढ़ के मैदान में भारी मात्रा में गाद और अवसाद भर जाते हैं। अंततोगत्वा तटबंध टूट जाते हैं।

ii. उपजाऊ गाद के निक्षेपों में कमी से प्राकृतिक उर्वरता घट जाती है। बाढ़ के पानी के एकत्र होने से आस-पास के बाढ़ के मैदानों में सुरक्षा की झूठी भावना पैदा हो जाती है।

iii. तटबंधों के निर्माण से अपवाह की संकुलता बढ़ जाती है। घोर बाढ़ के समय तटबंध के पीछे रहने वाले लोगों के लिए भयावह स्थिति पैदा हो जाती है।

iv. आस-पास के क्षेत्र में जल-भराव एक आम लक्षण है।

v. मार्ग में परिवर्तन से नदियाँ तटबंधों को तोड़ देती हैं।

vi. तटबंध बाढ़ से होने वाली तबाही को रोकता है।

vii. हर साल उनकी मरम्मत आदि पर लगभग 10 लाख रुपये खर्च होते हैं, तो एक करोड़ से अधिक उसके रख-रखाव पर, लेकिन जैसे-जैसे तटबंध का विस्तार हो रहा है, वैसे-वैसे बाढ़ की आशंका वाले संवेदनशील स्थलों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है।'

viii. तटबंध विरोधी अभियान के प्रखर कार्यकर्ता रंजीव कहते हैं, 'यह 'पॉलिटिकल इकोनॉमी' से अधिक कुछ नहीं है। सबको पता है कि तटबंध तबाही का टीला है। इसके बावजूद राजनीतिक इच्छा शक्ति के मामले में लोग बेबस हैं।

मिशन ज्ञान
हाँ चाहूँ, नया चाहूँ
% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES